CONCORD COMMUNICATIONS

The Resource Centre

Publication : Gujarat Vaibhav

Date : Friday, August 13, 2010

Edition : Ahmedabad

Page : 11

अपोलो ने गुजरात में पहला सफल जीवंत लीवर प्रत्यार्पण किया

अहमदाबाद। भारत के लीवर ट्रांसप्लांट कार्यक्रम में एक नया सफल अध्याय जुड़ गया। अपोलो हॉस्पिटल्स, अहमदाबाद में गुजरात राज्य की पहली सफल जीवंत लीवर ट्रांसप्लांट सर्जरी की गई है। अपोलो हॉस्पिटल्स के ग्रुप मेडिकल डायरेक्टर एवं सीनियर

पीडियाट्रिक गेस्ट्रो एंट्रोलॉजिस्ट डॉ.अनुपम सिब्बल ने कहा कि हम भारतीय उपखंड में लीवर ट्रांसप्लांट के क्षेत्र में एक नई राह बना रहे हैं। 1998 में अपोलो दिल्ली ने भारत में पहला सफल पीडियाट्रिक सर्जरी एवं एडल्ट लीवर ट्रांसप्लाटेशन किया था तथा अब 2010 में गुजरात में उसने पहला जीवंत लीवर दाता ट्रांसप्लांट शुरू करके भारत में सफल लीवर ट्रांसप्लांट के 12 वर्ष के इतिहास में माइल स्टोन बनाया है। इस वर्ष अपोलो हॉस्पिटल्स ने 100 लीवर ट्रांसप्लांट ऑपरेशन किए हैं तथा कुछ ही दिनों में यह संख्या 500 तक हो जाएगी। 47 वर्षीय सुनील पटेल अंतिम चरण की लीवर की बीमारी से पीड़ित थे। इस बीमारी के मरीज बहुत अधिक महीनों तक जिन्दा नहीं रह पाते। उन्हें लीवर ट्रांसप्लांट की सलाह दी गई। 46 वर्षीया उनकी पत्नी जीज्ञाबेन पटेल का खून उनके ब्लड ग्रुप से मैच हो गया। वह अपने लीवर का कुछ हिस्सा अपने पति को देने के लिए तैयार थीं। उनके सभी जरूरी टेस्ट कराए गए। दाता के लीवर की स्थिरता भी देखी गई। डॉ.प्रफुल्ल बी.पवार, अपोलो हॉस्पिटल्स, अहमदाबाद के सीईओ ने अपनी टीम को सफलता की बधाई देते हुए कहा कि इस सुविधा की उपलब्धि गुजरात के लोगों के लिए लाभदायक बनेगी। अपोलो हॉस्पिटल्स, नई दिल्ली के चीफ कंसल्टेंट्स लीवर ट्रांसप्लांटेशन डॉ.सुभाष गुप्ता, जिन्होंने अहमदाबाद सहित देश के कई अपोलो हॉस्पिटल्स में लीवर सर्जरी की है, ने अपनी टीम को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह सफलता अपोलो हॉस्पिटल्स की संयुक्त ताकत बताती है। जीवित दाता के पास से प्राप्त किए गए लीवर ट्रांसप्लांटेशन की सर्जरी केडेवरी लीवर ट्रांसप्लांट की तुलना में कठिन है। डॉ.चिराग देसाई, चीफ लीवर ट्रांसप्लांट सर्जन ने कहा कि यह सर्जरी 19 घंटे तक चली तथा इस पर कुल खर्च 19 लाख रुपए आया। हमें सिर्फ सर्जरी पर ही ध्यान नहीं देना था बल्कि दाता की सुरक्षा भी देखनी थी। पटेल दम्पति ने जो धैर्य दिखाया, वह काबिले तारीफ था।